किस्मत पर नाज करूँ जिन कुशल गुरु जो मिले लिरिक्स

किस्मत पर नाज करूँ,
जिन कुशल गुरु जो मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़,
हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू।bd।

तर्ज – होठो से छु लो तुम।

रोशन हुई दुनिया मेरी,
जब आया गुरु की शरण,
तन मन धन करू जीवन,
गुरु चरणों में अर्पण,
जिंदगी का भरोसा क्या,
दुबारा मिले न मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़,
हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू।bd।

गुरु ग्यान की ज्योति है,
अज्ञान तिमिर हर ले,
गुरु अनमोल मोती है,
तू ध्यान जरा धर ले,
कोई प्रबल पुण्य से ही,
गुरुदेव की भक्ति मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़,
हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू।bd।

'दिलबर' ये तमन्ना है,
कभी गुरुवर न रूठे,
जीवन की अंतिम सांस,
गुरु चरणों में छुटे,
फिर क्या मांगे नागेश,
जो ऐसी सौगात मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़,
हरपल मेरे साथ चले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

किस्मत पर नाज करू।bd।

किस्मत पर नाज करूँ,
जिन कुशल गुरु जो मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़,
हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू।bd।

गायक – नागेश कांठा।
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com